Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
04 January

Quote of the Day

Result Mitra

नया दिन है नयी बात करेंगे
कल हार कर सोये थे
आज फिर नयी शुरुआत करेंगे.

भारत और पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का किया आदान-प्रदान

भारत और पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का किया आदान-प्रदान

Result Mitra

- भारत और पाकिस्तान ने 1 जनवरी 2025 को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची का आदान-प्रदान किया।
- यह आदान-प्रदान 1988 में हुए "परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध" समझौते के तहत हुआ, जो 27 जनवरी 1991 को लागू हुआ था।
- इस समझौते के अनुसार, दोनों देश हर वर्ष 1 जनवरी को अपने-अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची एक-दूसरे को सौंपते हैं।

भारत और पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का किया आदान-प्रदान

Result Mitra

- यह इस प्रकार की सूचियों का लगातार 34वां आदान-प्रदान है; पहली बार यह प्रक्रिया 1 जनवरी 1992 को शुरू हुई थी।
- इसके अतिरिक्त, दोनों देशों ने अपनी हिरासत में बंद नागरिक कैदियों और मछुआरों की सूचियों का भी आदान-प्रदान किया।
- भारत ने 381 पाकिस्तानी नागरिक कैदियों और 81 मछुआरों की सूची साझा की, जबकि पाकिस्तान ने 49 भारतीय नागरिक कैदियों और 217 मछुआरों की सूची प्रदान की।

भारत और पाकिस्तान ने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का किया आदान-प्रदान

Result Mitra

- भारत ने पाकिस्तान से उन 183 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों की रिहाई और वापसी में तेजी लाने का आग्रह किया है, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है।
- इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली को बढ़ावा देना और परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों को रोकना है, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता सुनिश्चित हो सके।

भारत के पास 172 परमाणु हथियार हैं:

1. भारत के पास 172 परमाणु हथियार
2. पहला परीक्षण: भारत का पहला परमाणु परीक्षण 18 मई, 1974 को हुआ था, जिसका कोडनेम "स्माइलिंग बुद्धा" था
3. क्षमताएँ: भारत के पास भूमि-आधारित, समुद्र-आधारित और वायु-प्रक्षेपण परमाणु क्षमताएँ हैं
4. नीति: भारत की नो फर्स्ट यूज़ नीति है, जिसका अर्थ है कि वे संघर्ष में कभी भी परमाणु हथियारों का उपयोग नहीं करने की कसम खाते हैं

भारत की परमाणु क्षमताओं में शामिल हैं:

1. विमान: भारत का मिराज 2000H/I, जगुआर IS/IB और संभावित रूप से फ्रांस निर्मित राफेल विमान लगभग 48 परमाणु हथियार ले जा सकते हैं
2. मिसाइलें: भारत की पहली भूमि आधारित परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल 2003 में मैदान में उतारी गई थी
3. पनडुब्बियां: भारत पनडुब्बियों से परमाणु हथियार लॉन्च करने में सक्षम हो सकता है

भारत का मुख्य प्रयास चीन को निशाना बनाने के लिए लंबी दूरी की और अधिक सक्षम मिसाइलों को विकसित करना है।

पाकिस्तान के पास हैं 170 परमाणु हथियार:

वारहेड्स

- पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार होने का अनुमान है जो उसे दुनिया का छठा सबसे बड़ा परमाणु शस्त्रागार बनाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि पाकिस्तान का शस्त्रागार 2025 तक 220-250 हथियारों तक बढ़ सकता है।

पाकिस्तान के पास हैं 170 परमाणु हथियार:

वितरण प्रणाली

पाकिस्तान के पास अपने परमाणु हथियारों के लिए कई डिलीवरी सिस्टम हैं, जिनमें शामिल हैं:

- 1. विमान: पाकिस्तान ने परमाणु हथियार पहुंचाने के लिए F-16A/B, मिराज III और मिराज V विमानों को मॉडिफाई किया है।
- 2. बैलिस्टिक मिसाइलें: पाकिस्तान के पास अब्दाली, गजनवी, शाहीन- I, गौरी, शाहीन- II और शाहीन- III सहित कम दूरी और मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें हैं।

पाकिस्तान के पास हैं 170 परमाणु हथियार:

वितरण प्रणाली

- 3. क्रूज मिसाइलें: पाकिस्तान ने जमीन से लॉन्च की गई बाबर -1 क्रूज मिसाइलें और हवा से लॉन्च की जाने वाली राड क्रूज मिसाइलें हैं।
- 4. पनडुब्बी-लॉन्च क्रूज मिसाइल: पाकिस्तान ने 2017 और 2018 में दो बार परमाणु-सक्षम पनडुब्बी-लॉन्च क्रूज मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

Result Mitra

अत्यधिक समृद्ध यूरेनियम (HEU)

- पाकिस्तान के पास लगभग 4.9 ± 1.7 टन HEU होने का अनुमान है। पाकिस्तान पंजाब के कहुटा और गडवाल में गैस सेंट्रीफ्यूज सुविधाओं में एचईयू का उत्पादन करता है।

Result Mitra

परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी), भारत

- भारत का परमाणु नियामक प्राधिकरण परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (AERB) है। एईआरबी की स् थापना 1983 में भारत के राष् ट्रपति ने यह सुनिश्चित करने के लिए की थी कि भारत में परमाणु ऊर्जा और आयनकारी विकिरण का इस् तेमाल पर्यावरण और लोगों के लिए सुरक्षित है।

एईआरबी की जिम्मेदारियों में शामिल हैं:

- 1. परमाणु सुविधाओं के लिए सुरक्षा मानकों का विकास और लागू करना
- 2. परमाणु सुविधाओं के संचालन के लिए सहमति प्रदान करना

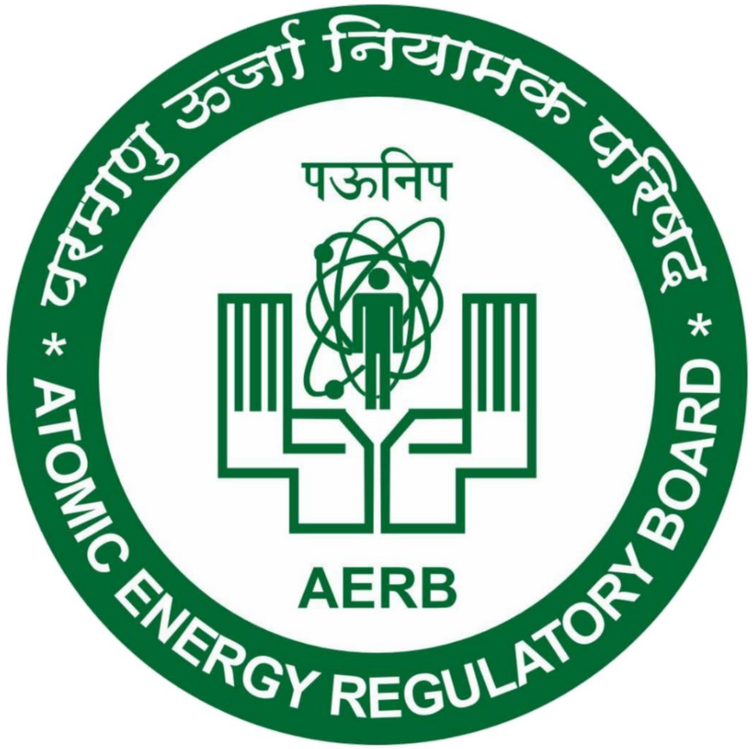

परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी), भारत

एईआरबी की जिम्मेदारियों में शामिल हैं:

- 3. विकिरण जोखिम सीमा निर्धारित करना
- 4. आपातकालीन योजनाओं की समीक्षा करना
- 5. प्रशिक्षण और लाइसेंसिंग की देखरेख करना
- 6. जनता को सुरक्षा के मुद्दों का संचार करना
- 7. अनुसंधान को बढ़ावा देना
- 8. सुरक्षा प्रथाओं को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सहयोग करना
- एईआरबी के नियामक प्राधिकरण परमाणु ऊर्जा अधिनियम और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 से आते हैं।

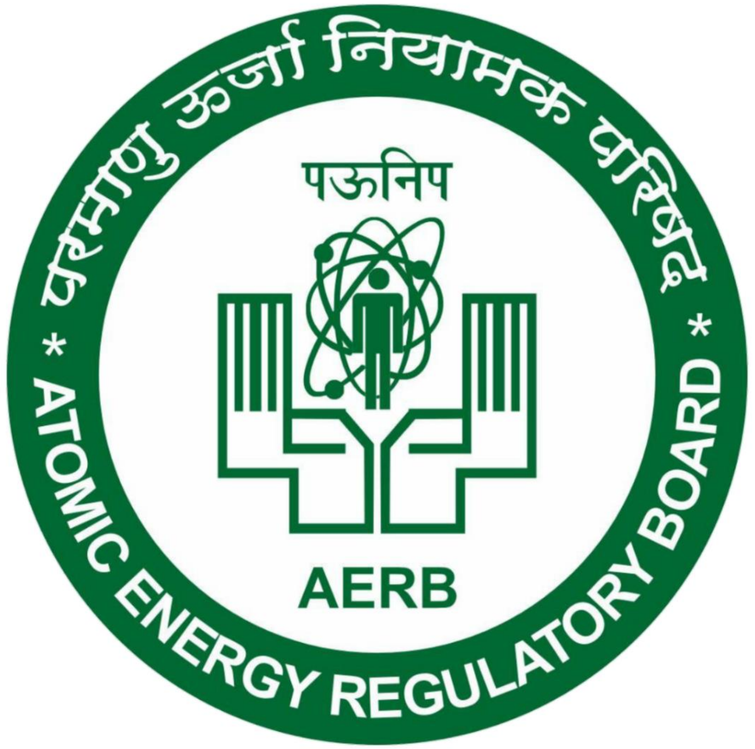

पाकिस्तान परमाणु नियामक प्राधिकरण (PNRA), पाकिस्तान

पाकिस्तान परमाणु नियामक प्राधिकरण (PNRA) एक स्वतंत्र एजेंसी है जो पाकिस्तान में परमाणु सामग्री और सुविधाओं की सुरक्षा और सुरक्षा को नियंत्रित करती है:

1. मिशन
   - पीएनआरए का मिशन जनता, विकिरण श्रमिकों और पर्यावरण को आयनकारी विकिरण के हानिकारक प्रभावों से बचाना है।
2. जिम्मेदारियों
   - पीएनआरए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और परमाणु अनुसंधान रिएक्टरों सहित सभी नागरिक परमाणु सामग्रियों और सुविधाओं को लाइसेंस देने और पर्यवेक्षण के लिए जिम्मेदार है।

पाकिस्तान परमाणु नियामक प्राधिकरण (PNRA), पाकिस्तान

Result Mitra

3. शक्तियों

- PNRA के पास परमाणु सुरक्षा और विकिरण सुरक्षा के लिए नियमों, विनियमों, आदेशों और अभ्यास के कोड बनाने, अपनाने और लागू करने का अधिकार है।

4. हेडक्वार्टर्स

- पीएनआरए का मुख्यालय इस्लामाबाद में है।

5. स्थापना

- पीएनआरए की स्थापना 2001 में राष्ट्रपति न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रफीक तरार द्वारा 2000 में कार्यकारी डिक्री "पाकिस्तान परमाणु नियामक प्राधिकरण अध्यादेश संख्या III" पर हस्ताक्षर करने के बाद की गई थी।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत और पाकिस्तान के बीच "परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध" समझौता 1988 में हुआ था।

2. इस समझौते के तहत, दोनों देश हर वर्ष 1 जनवरी को अपने-अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान करते हैं।

3. इस समझौते के तहत सूचियों का आदान-प्रदान पहली बार 1 जनवरी 1991 को हुआ था।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 1

मनीष सिंघल ASSOCHAM के महासचिव नियुक्त

मनीष सिंघल ASSOCHAM के महासचिव नियुक्त

Result Mitra

- एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (ASSOCHAM) ने उद्योग जगत के दिग्गज मनीष सिंघल को अपना नया महासचिव नियुक्त किया है। वह दीपक सूद का स्थान लेंगे, जिन्होंने पिछले पांच वर्षों तक इस पद पर सफलतापूर्वक कार्य किया और संगठन की वित्तीय नींव को मजबूत किया।

मनीष सिंघल ASSOCHAM के महासचिव नियुक्त

Result Mitra

- सिंघल इससे पहले फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI) में उप महासचिव के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने टाटा मोटर्स, आयशर (वोल्वो), टाटा ऑटो कॉम्प सिस्टम्स, मोजर बेयर इंडिया और बीईएमएल सहित कई प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ भी काम किया है।

मनीष सिंघल ASSOCHAM के महासचिव नियुक्त

- ASSOCHAM के अध्यक्ष संजय नायर ने कहा, "हम चैंबर के पुनर्निर्माण में दीपक सूद के अपार योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। सूद के नेतृत्व में चैंबर की अब एक मजबूत बैलेंस शीट है।"
- उन्होंने सिंघल का स्वागत करते हुए कहा, "पॉलिसी एडवोकेसी और इंटरनेशनल बिजनेस में सिंघल का एक प्रमाणित ट्रैक रिकॉर्ड है, जो चैंबर को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद करेगा।"

मनीष सिंघल ASSOCHAM के महासचिव नियुक्त

Result Mitra

- ASSOCHAM 1920 से भारत का सबसे पुराना शीर्ष चैंबर है, जो 4,50,000 से ज्यादा सदस्यों के अपने नेटवर्क के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कार्रवाई योग्य पॉलिसी एडवोकेसी लाता है, जिसमें बड़े कॉरपोरेट और एमएसएमई शामिल हैं।
- इस नियुक्ति के साथ, ASSOCHAM को उम्मीद है कि मनीष सिंघल के नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा और भारतीय उद्योग जगत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ASSOCHAM

- एसोचैम का फ़ुल फ़ॉर्म है - एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री ऑफ़ इंडिया. यह भारत के प्रमुख व्यापार संघों में से एक है.
- इसकी स्थापना साल 1920 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है. यह एक गैर-सरकारी संगठन है.

Result Mitra

एसोचैम के बारे में ज़्यादा जानकारी

- यह संगठन भारत में व्यापार और वाणिज्य के हितों का प्रतिनिधित्व करता है.
- यह उद्योग, सरकार, और नीतिगत मुद्दों पर अन्य हितधारकों के बीच एक इंटरफ़ेस का काम करता है.
- इसका मकसद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना और व्यापार बाधाओं को कम करना है

Result Mitra

एसोचैम के बारे में ज़्यादा जानकारी

- यह सभी तरह के उद्योगों के लिए काम करता है, चाहे वह सूक्ष्म हो या बड़े.
- एसोचैम, व्यापारियों और व्यवसायियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कारोबार का विस्तार करने में मदद करता है.
- एसोचैम, विविधता और समावेश उत्कृष्टता पुरस्कार भी देता है. इस पुरस्कार से उन संगठनों और उनके नेतृत्व को सम्मानित किया जाता है जो कार्यस्थल पर विविधता और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं.

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मनीष सिंघल को एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (ASSOCHAM) का नया महासचिव नियुक्त किया गया है।

2. ASSOCHAM की स्थापना 1920 में हुई थी और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

3. मनीष सिंघल इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) में कार्यरत थे।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 1

Result Mitra

DRDO की स्थापना और उसका इतिहास - चर्चा में

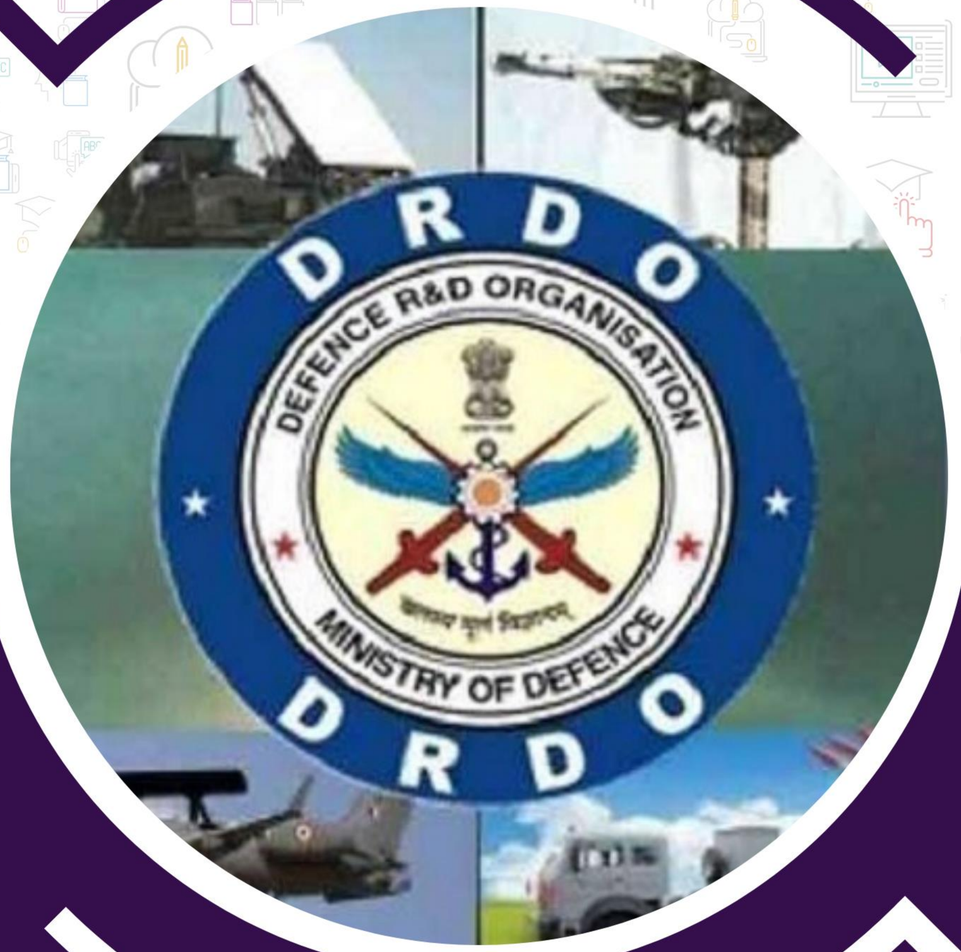

DRDO की स्थापना और उसका इतिहास - चर्चा में

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) भारत का प्रमुख रक्षा अनुसंधान संगठन है। इसकी स्थापना और इतिहास से जुड़ी मुख्य जानकारियां निम्नलिखित हैं:

DRDO की स्थापना और उसका इतिहास - चर्चा में

DRDO की स्थापना

- **स्थापना का वर्ष:** DRDO की स्थापना 1958 में की गई थी।
- **मूल गठन:** इसका गठन रक्षा विज्ञान संगठन (Defence Science Organisation) और भारतीय सशस्त्र बलों के कुछ तकनीकी विभागों को मिलाकर किया गया था।
- DRDO रक्षा मंत्रालय के तहत काम करता है और भारतीय सशस्त्र बलों की अनुसंधान और विकास आवश्यकताओं को पूरा करता है।

DRDO की स्थापना और उसका इतिहास - चर्चा में

Result Mitra

DRDO का मुख्य उद्देश्य

- DRDO का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों को आत्मनिर्भर बनाना और अत्याधुनिक रक्षा तकनीक विकसित करना है।
- यह मिसाइल, रडार, हथियार प्रणाली, लड़ाकू विमान, टैंक, नौसेना प्रणाली और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास करता है।

DRDO की स्थापना और उसका इतिहास - चर्चा में

DRDO

DRDO का मुख्यालय

- DRDO का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

DRDO के शुरुआती दिन

- शुरु में DRDO के पास केवल 10 प्रयोगशालाएं थीं।
- इन प्रयोगशालाओं में रक्षा तकनीकी उपकरणों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

DRDO के बारे में

DRDO की स्थापना

- स्थापना का वर्ष: DRDO की स्थापना 1958 में की गई थी।
- मूल गठन: इसका गठन रक्षा विज्ञान संगठन (Defence Science Organisation) और भारतीय सशस्त्र बलों के कुछ तकनीकी विभागों को मिलाकर किया गया था।
- DRDO रक्षा मंत्रालय के तहत काम करता है और भारतीय सशस्त्र बलों की अनुसंधान और विकास आवश्यकताओं को पूरा करता है।

Result Mitra

DRDO के बारे में

DRDO का मुख्य उद्देश्य

- DRDO का उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों को आत्मनिर्भर बनाना और अत्याधुनिक रक्षा तकनीक विकसित करना है।
- यह मिसाइल, रडार, हथियार प्रणाली, लड़ाकू विमान, टैंक, नौसेना प्रणाली और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास करता है।

Result Mitra

DRDO के बारे में

DRDO का मुख्यालय

- DRDO का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है।

DRDO के शुरुआती दिन

- शुरू में DRDO के पास केवल 10 प्रयोगशालाएं थीं।
- इन प्रयोगशालाओं में रक्षा तकनीकी उपकरणों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

Result Mitra

DRDO के बारे में

महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स और सफलताएं

1. मिसाइल विकास कार्यक्रम:

DRDO ने भारत के एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP) के तहत कई सफलताएं हासिल कीं, जैसे:

- अग्नि मिसाइल (बैलिस्टिक मिसाइल)
- पृथ्वी मिसाइल (सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल)
- नाग मिसाइल (टैंक रोधी मिसाइल)
- आकाश मिसाइल (सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल)

DRDO के बारे में

महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स और सफलताएं

2. लड़ाकू विमान:

- DRDO ने तेजस हल्के लड़ाकू विमान (LCA) का विकास किया।

3. रडार और सेंसर सिस्टम:

- DRDO ने भारतीय सेना और वायुसेना के लिए रडार और सेंसर सिस्टम तैयार किए।

Result Mitra

DRDO के बारे में

महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स और सफलताएं

4. अंतरिक्ष रक्षा:

- DRDO ने एंटी-सैटेलाइट मिसाइल (ASAT) का सफल परीक्षण किया, जिसे मिशन शक्ति कहा गया।

5. टैंक:

- DRDO ने अर्जुन टैंक विकसित किया।

Result Mitra

DRDO के बारे में

DRDO के महत्वपूर्ण योगदान

- DRDO ने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है।
- संगठन ने स्वदेशी तकनीक के जरिए रक्षा उत्पादों को विकसित कर विदेशी आयात पर निर्भरता कम की है।

Result Mitra

DRDO के बारे में

वर्तमान में DRDO

- DRDO के पास वर्तमान में 50 से अधिक प्रयोगशालाएं हैं, जो विभिन्न रक्षा तकनीकों पर काम कर रही हैं।
- यह संगठन उन्नत अनुसंधान में भी योगदान दे रहा है, जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), रोबोटिक्स, हाइपरसोनिक तकनीक, और साइबर सुरक्षा।

Result Mitra

DRDO के बारे में

DRDO का आदर्श वाक्य

"बलस्य मूलं विज्ञानम्"

(अर्थ: "शक्ति का स्रोत विज्ञान है")

- यह आदर्श वाक्य DRDO के वैज्ञानिक दृष्टिकोण और मिशन को दर्शाता है।

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) की स्थापना 1958 में की गई थी।

2. DRDO का मुख्यालय बेंगलुरु में स्थित है।

3. DRDO ने "मिशन शक्ति" के तहत एंटी-सैटेलाइट मिसाइल (ASAT) का सफल परीक्षण किया।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 1

मन्नथु पद्मनाभन - चर्चा में प्रमुख व्यक्तित्व

मन्नथु पद्मनाभन - चर्चा में प्रमुख व्यक्तित्व

Result Mitra

- मन्नथु पद्मनाभन एक प्रसिद्ध भारतीय समाज सुधारक, स्वतंत्रता सेनानी और केरल के सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों के प्रमुख नेता थे।
- वह नायर सेवा समाजम (NSS) के संस्थापक थे, जिसने केरल में नायर समुदाय के उत्थान और सामाजिक सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

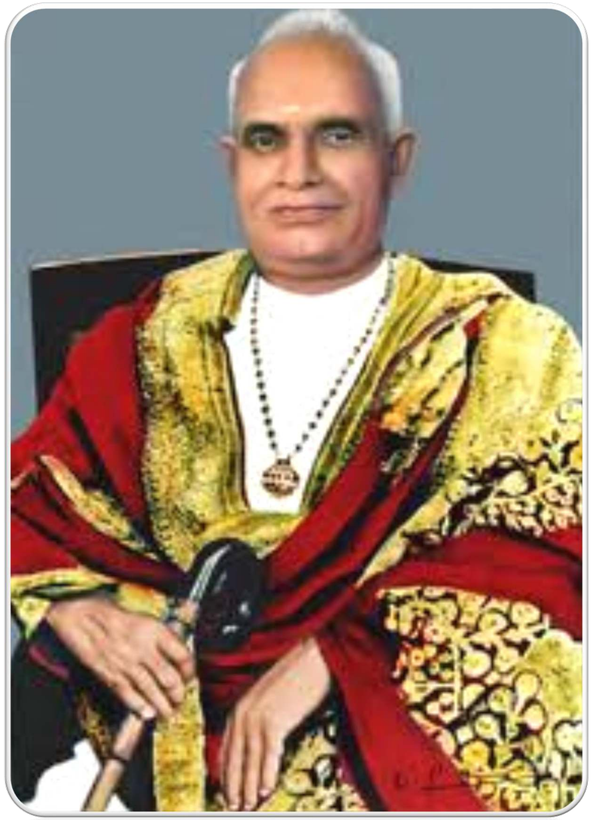

मन्नथु पद्मनाभन - चर्चा में प्रमुख व्यक्तित्व

Result Mitra

मुख्य बिंदु: मन्नथु पद्मनाभन

1. जन्म:

- मन्नथु पद्मनाभन का जन्म 2 जनवरी 1878 को केरल के पेरुन्ना गांव में हुआ था।

2. नायर सेवा समाजम (NSS) की स्थापना:

- उन्होंने 31 अक्टूबर 1914 को नायर सेवा समाजम की स्थापना की।
- इसका उद्देश्य नायर समुदाय में शिक्षा, सामाजिक उत्थान और जातिवाद को खत्म करना था।
- NSS ने महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और सामाजिक समानता को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास किए।

मन्नथु पद्मनाभन - चर्चा में प्रमुख व्यक्तित्व

Result Mitra

मुख्य बिंदु: मन्नथु पद्मनाभन

3. स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान:

- मन्नथु पद्मनाभन ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभाई।
- उन्होंने वैकॉम सत्याग्रह और अन्य सामाजिक आंदोलनों में भाग लिया।
- उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष में केरल के लोगों को प्रेरित किया।

मन्नथु पद्मनाभन - चर्चा में प्रमुख व्यक्तित्व

Result Mitra

मुख्य बिंदु: मन्नथु पद्मनाभन

4. सामाजिक सुधारक के रूप में कार्य:

- उन्होंने जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता के खिलाफ आवाज उठाई।
- मंदिर प्रवेश आंदोलन के जरिए उन्होंने सभी जातियों के लिए मंदिरों के द्वार खोलने की वकालत की।
- उनकी पहल पर केरल में सामाजिक जागरूकता और शिक्षा में सुधार हुआ।

मन्नथु पद्मनाभन - चर्चा में प्रमुख व्यक्तित्व

Result Mitra

मुख्य बिंदु: मन्नथु पद्मनाभन

5. सम्मान:

- मन्नथु पद्मनाभन को उनके सामाजिक और राष्ट्रीय योगदान के लिए "पद्म भूषण" से सम्मानित किया गया था।

6. निधन:

- उनका निधन 25 फरवरी 1970 को हुआ।

मन्नथु पद्मनाभन - चर्चा में प्रमुख व्यक्तित्व

Result Mitra

चर्चा में क्यों हैं?

- मन्नथु पद्मनाभन को हाल ही में उनकी 145वीं जयंती (2 जनवरी 2025) पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।
- इस अवसर पर केरल सरकार और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उनके योगदान को याद किया।

मन्नथु पद्मनाभन - चर्चा में प्रमुख व्यक्तित्व

Result Mitra

चर्चा में क्यों हैं?

- NSS और अन्य संगठनों ने उनके विचारों और कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए।
- भारत में सामाजिक सुधार आंदोलनों में उनके योगदान को पुनः सराहा जा रहा है।

मन्नथु पद्मनाभन - चर्चा में प्रमुख व्यक्तित्व

Result Mitra

चर्चा में क्यों हैं?

उनके प्रमुख विचार

- सामाजिक समानता और शिक्षा को बढ़ावा देना।
- जातिवाद और भेदभाव को समाप्त करना।
- महिला सशक्तिकरण और स्वतंत्रता आंदोलन में भागीदारी।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मन्नथु पद्मनाभन नायर सेवा समाजम (NSS) के संस्थापक थे, जिसकी स्थापना 31 अक्टूबर 1914 को हुई थी।

2. मन्नथु पद्मनाभन ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और वैकॉम सत्याग्रह में भाग लिया।

3. मन्नथु पद्मनाभन को "पद्म विभूषण" से सम्मानित किया गया था।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 1

संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की रिपोर्ट जारी

संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की रिपोर्ट जारी

Result Mitra

- भारत ने जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) को अपनी चौथी द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट (BUR-4) 30 दिसंबर 2024 को प्रस्तुत की है।

UNFCCC

संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की रिपोर्ट जारी

Result Mitra

मुख्य बिंदु:

- ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन में कमी: 2019 की तुलना में 2020 में भारत के GHG उत्सर्जन में 7.93% की कमी आई है।
- भूमि उपयोग, भूमि-उपयोग परिवर्तन और वानिकी (LULUCF) को छोड़कर, 2020 में उत्सर्जन 2,959 मिलियन टन CO_2 समतुल्य (CO_2e) था, जबकि LULUCF को शामिल करने पर शुद्ध उत्सर्जन 2,437 मिलियन टन CO_2e रहा।

संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की रिपोर्ट जारी

Result Mitra

मुख्य बिंदु:

उत्सर्जन स्रोतों का वितरण:

- ऊर्जा क्षेत्र: कुल उत्सर्जन का 75.66%
- कृषि: 13.72%
- औद्योगिक प्रक्रिया और उत्पाद उपयोग: 8.06%
- अपशिष्ट: 2.56%

संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की रिपोर्ट जारी

Result Mitra

मुख्य बिंदु:

- **वन और वृक्ष आवरण का योगदान:** 2020 में भारत के वन और वृक्ष आवरण ने अन्य भूमि उपयोग के साथ मिलकर लगभग 522 मिलियन टन CO_2 को अवशोषित किया, जो देश के कुल CO_2 उत्सर्जन के 22% की कमी के बराबर है।

संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की रिपोर्ट जारी

Result Mitra

मुख्य बिंदु:

- **GDP की उत्सर्जन तीव्रता में कमी:** 2005 से 2020 के बीच, भारत की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की उत्सर्जन तीव्रता में 36% की कमी आई है, जो आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की रिपोर्ट जारी

Result Mitra

मुख्य बिंदु:

- **गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों की वृद्धि:** अक्टूबर 2024 तक, स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में गैर-जीवाश्म स्रोतों की हिस्सेदारी 46.52% तक पहुंच गई है। बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं सहित अक्षय ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता 203.22 गीगावॉट है, जबकि मार्च 2014 में यह 35 गीगावॉट थी, जो 4.5 गुना वृद्धि को दर्शाता है।

संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन की रिपोर्ट जारी

Result Mitra

मुख्य बिंदु:

- यह रिपोर्ट भारत की जलवायु परिवर्तन से निपटने की सक्रियता और सतत विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत आर्थिक प्रगति के साथ सार्थक जलवायु कार्रवाई को जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC)

- संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफ़सीसीसी) जलवायु परिवर्तन से जुड़ा एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है. इसका मकसद, ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा को कम करके जलवायु प्रणाली पर मानव गतिविधियों के खतरनाक असर को रोकना है.
- यह समझौता 1992 में रियो डी जेनेरियो में आयोजित पर्यावरण और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीईडी) में अपनाया गया था. इसे अनौपचारिक रूप से पृथ्वी शिखर सम्मेलन के नाम से भी जाना जाता है.

संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC)

UNFCCC से जुड़ी कुछ खास बातें:

- यूएनएफ़सीसीसी के तहत, 190 से ज़्यादा देश जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए साल के आखिरी दो हफ़्ते में वार्षिक कॉन्फ्रेंस करते हैं.
- यूएनएफ़सीसीसी के तहत, जलवायु परिवर्तन से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा होती है.
- यूएनएफ़सीसीसी के तहत, वैज्ञानिक अनुसंधान जारी रखने का आह्वान किया जाता है.
- यूएनएफ़सीसीसी के तहत, पारिस्थितिकी तंत्र को जलवायु परिवर्तन के मुताबिक ढलने में मदद की जाती है.

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत ने जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) को अपनी चौथी द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट (BUR-4) 30 दिसंबर 2024 को प्रस्तुत की है।

2. 2020 में भारत के GHG उत्सर्जन में 7.93% की कमी आई है, जबकि भूमि उपयोग, भूमि-उपयोग परिवर्तन और वानिकी (LULUCF) को शामिल करने पर शुद्ध उत्सर्जन 2,437 मिलियन टन CO_2e था।

3. भारत की सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की उत्सर्जन तीव्रता में 36% की वृद्धि हुई है, जो आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन को दर्शाता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) केवल 1

भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले और नारी सशक्तीकरण में उनकी भूमिका

भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले और नारी शसक्तीकरण में उनकी भूमिका

- सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका, समाज सुधारक और महिला अधिकारों की प्रबल समर्थक थीं। उनका जीवन महिलाओं और दलित वर्गों को शिक्षा और समानता प्रदान करने के लिए समर्पित था। उनका योगदान न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बल्कि समाज सुधार में भी अविस्मरणीय है।

भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले और नारी शसक्तीकरण में उनकी भूमिका

Result Mitra

जीवन परिचय

- **जन्म:** सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव में हुआ था।
- **पति:** 1840 में, उनका विवाह ज्योतिराव फुले से हुआ, जो स्वयं एक महान समाज सुधारक थे।
- **शिक्षा:** सावित्रीबाई फुले ने अपने पति के मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त की और शिक्षक प्रशिक्षण लिया।

भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले और नारी शसक्तीकरण में उनकी भूमिका

Result Mitra

भारत की पहली महिला शिक्षिका

- **जन्म:** सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव में हुआ था।
- **पति:** 1840 में, उनका विवाह ज्योतिराव फुले से हुआ, जो स्वयं एक महान समाज सुधारक थे।
- **शिक्षा:** सावित्रीबाई फुले ने अपने पति के मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त की और शिक्षक प्रशिक्षण लिया।

सावित्रीबाई फुले

जीवन परिचय

- जन्म: सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव में हुआ था।
- पति: 1840 में, उनका विवाह ज्योतिराव फुले से हुआ, जो स्वयं एक महान समाज सुधारक थे।
- शिक्षा: सावित्रीबाई फुले ने अपने पति के मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त की और शिक्षक प्रशिक्षण लिया।

Result Mitra

सावित्रीबाई फुले

भारत की पहली महिला शिक्षिका

- सावित्रीबाई फुले ने 1848 में पुणे में भारत का पहला बालिका विद्यालय स्थापित किया।
- वह भारत की पहली महिला शिक्षिका बनीं और उन्होंने महिलाओं को शिक्षित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया।
- उन्होंने लड़कियों को शिक्षा प्रदान करने के लिए कई बाधाओं का सामना किया और समाज के विरोध का डटकर सामना किया।

Result Mitra

सावित्रीबाई फुले

नारी सशक्तिकरण में भूमिका

1. शिक्षा के माध्यम से सशक्तिकरण:

- सावित्रीबाई ने लड़कियों की शिक्षा को प्राथमिकता दी और समाज में महिलाओं की समानता के लिए काम किया।
- उन्होंने गरीब और दलित महिलाओं को शिक्षित कर उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

Result Mitra

सावित्रीबाई फुले

नारी सशक्तिकरण में भूमिका

2. बाल विवाह और सती प्रथा का विरोध:

- उन्होंने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई।
- विधवाओं के पुनर्विवाह को बढ़ावा दिया।

सावित्रीबाई फुले

नारी सशक्तिकरण में भूमिका

3. महिला अधिकारों के लिए संघर्ष:

- सावित्रीबाई ने महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए जागरूक किया और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।
- उन्होंने महिलाओं के लिए महिला आश्रम की स्थापना की, जहां विधवा और परित्यक्ता महिलाओं को आश्रय और सहायता मिलती थी।

सावित्रीबाई फुले

नारी सशक्तिकरण में भूमिका

4. जातिगत भेदभाव के खिलाफ संघर्ष:

- सावित्रीबाई और ज्योतिराव ने दलितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए काम किया।
- उन्होंने "सत्यशोधक समाज" की स्थापना की, जो जातिवाद और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ एक क्रांतिकारी कदम था।

सावित्रीबाई फुले

नारी सशक्तिकरण में भूमिका

5. महामारी के समय योगदान:

- 1897 में प्लेग महामारी के दौरान, उन्होंने बीमारों की सेवा की और उनके उपचार के लिए सक्रिय भूमिका निभाई।
- इसी दौरान, संक्रमित लोगों की सेवा करते हुए सावित्रीबाई प्लेग की चपेट में आईं और उनका निधन हो गया।

सावित्रीबाई फुले

सावित्रीबाई फुले की शिक्षण पद्धतियां

- उन्होंने शिक्षा को बालिका अनुकूल बनाने के लिए नये तरीकों का इस्तेमाल किया।
- सावित्रीबाई फुले ने कविता और साहित्य के माध्यम से समाज को जागरूक किया। उनकी कविताएं महिला शिक्षा और अधिकारों पर आधारित थीं।

Result Mitra

सावित्रीबाई फुले

महत्वपूर्ण योगदान

- सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं और दलितों के उत्थान के लिए समाज में एक क्रांति की शुरुआत की।
- उन्हें "नारी मुक्ति आंदोलन की जननी" भी कहा जाता है।
- उनके जन्मदिन को हर वर्ष "बालिका दिवस" के रूप में मनाया जाता है।

Result Mitra

सावित्रीबाई फुले

विरासत और प्रेरणा

- सावित्रीबाई फुले आज भी नारी सशक्तिकरण और सामाजिक समानता की प्रेरणा बनी हुई हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि शिक्षा और समानता के माध्यम से समाज को बदलने का प्रयास कैसे किया जा सकता है।

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सावित्रीबाई फुले ने 1848 में पुणे में भारत का पहला बालिका विद्यालय स्थापित किया।

2. सावित्रीबाई फुले ने बाल विवाह और सती प्रथा के खिलाफ संघर्ष किया और विधवाओं के पुनर्विवाह को बढ़ावा दिया।

3. सावित्रीबाई फुले का निधन 1897 में प्लेग महामारी के दौरान हुआ, जब उन्होंने बीमारों की सेवा करते हुए अपनी जान गंवाई।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) केवल 1

Thank You

Result Mitra™